आक

[कैलोट्रोपिस जाइगेंटिया]

‘आक’ का पेड़ खुले मैदानों में, झाड़ियों में, व सड़क किनारे उगता हैं। इसे अंग्रेजी में 'जाइंट मिल्कवीड' के नाम से जाना जाता हैं; क्यों की इसके पत्ते और तनों से दूध सा सफ़ेद एक रस निकलता हैं। यह पौधा कई कीड़े, छोटे जानवरों, और पक्षियों को आकर्षित करता हैं।

इसे कई नामों से जाना जाता है; अंग्रेजी में यह 'जायंट मिल्कवीड', कन्नड़ में 'यक्का गिड़ा’ और हिंदी में 'आक' के नाम से जाना जाता है। इस पौधे को आपकी भाषा में क्या बुलाते है?

यह रस पौधे को उन कीड़ों और जानवरों से सुरक्षित रखता है जो उसे खाना पसंद करते हैं। रस का बड़ी मात्रा में सेवन करने पर, वे आपके और जानवरों के सेहत के लिए हानिकारक है। रस से स्पर्श होने पर, आपको त्वचा पर और आंखों में जलन महसूस हो सकती है। इस पौधे की पत्तियों या छाल को छूने के बाद अपने हाथों को हमेशा साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। पौधे अपने आप को इंसान और जानवरों से बचाने के लिए कई तरकीबों का इस्तेमाल करतें हैं। क्या आप ऐसे कुछ अन्य तरकीबों के बारे में बता सकते हैं?

पत्ते

इसके पत्ते नरम, अंडाकार, और सब्ज़ रंग के होते हैं। आपको इल्ली (कैटरपिलर) इन पत्तियों पर कुतरते हुए नज़र आएंगे। यह 'प्लेन टाइगर तितली' के इल्ली होंगे। आक इस तितली का 'होस्ट प्लांट' है, यानी तितली इन पत्तियों पर अंडे देती हैं। अंडों से निकलने के बाद, इल्ली ये पत्तियाँ खा जाते हैं।

तितली को गौर से देखिए -- इसे 'टाइगर' बुलाने का कारण क्या हो सकता हैं? आपको इस पर कौनसे रंग नज़र आ रहे हैं?

फूल

आक के फूल हल्के बैंगनी रंग के होते हैं। फूल का अकार मुकुट से मिलता हैं, जिसके कारण अंग्रेजी में इसे 'क्राउन फ्लावर' भी कहा जाता है। आक के फूलों पर कई तरह के कीड़े आते हैं, जैसे की तितलियाँ, भृंग, 'फ्रूट फ्लाई', वॉस्प (ततैया), और शोर मचाता हुआ नीले व काले रंग का 'कारपेंटर मधुमक्खी'।

फल और बीज

आक पौधे के बीजकोष (फली या 'पॉड') के अंदर आपको छोटे, चपटे बीज नज़र आएंगे। हर बीज पर लम्बे सफ़ेद रेशों की पूंछ होती हैं। कुछ पक्षी अपने घोंसलों में इन बीज का गद्दे की तरह इस्तेमाल करतें हैं। रेशों के उपयोग से चूज़े को अपना घोंसला अधिक मुलायम मालुम पड़ता हैं। जब बीज की फली खुलती है, तब बीज हवा पर सैर करके कई दूर अपने जड़ लगाती हैं।

अगर आपको कभी आक का बीज मिलें तो उसे हथेली पर रख कर धीमे से फूँक मारिए। क्या वे हवा मैं उड़ रहे हैं?

तने और छाल

आक के तने मज़बूत और रस भरे होते हैं। वे पौधे के शिखर से बुनियाद तक फैले होते हैं हैं। टूटे हुए तने या पत्ते को गौर से देखें -- क्या आपको रस के बाहर दिख रहे हैं?

तनों के बीच बीच में छिपे आपको नीले व चमकीले 'मिल्कवीड बीटल' (भृंग) या रंगीन 'पेंटेड ग्रासहॉप्पर' (टिड्डे) दिखाई देंगे। पेंटेड टिड्डा आक के रस-भरे पत्तों को खा कर खुद ज़हरीला बन जाता हैं। इससे वे अपने आप को दरिंदो से बचाता हैं। इसके बेमिसाल रंग दरिंदों को टिड्डे का ज़हरीलेपन का संकेत देतें हैं।

तनों पर आपको छोटे सफ़ेद और पीले रंग के 'एफिड' भी दिखाई देंगे। उनके पास आपको चींटियां भी दिखाई देंगी। चींटियों और एफिड की दोस्ती दिलचस्प हैं -- एफिड पौधे का रस पीते हैं और 'हनीड्यू' नामक मीठा स्राव (सिक्रीशन) छोड़ जाते हैं, जिसे चींटियां पीना पसंद करती हैं। इसके बदले में, चींटियां एफिड को उसके दरिंदों से बचाती हैं।

अपने आस- पास किसी आक पर गौर कीजिए -- आपको विभिन्न आकार के जीव दिखाई देंगे! इस पौधे से मिलने आते अतिथियों के चित्र बनाइए या उनके नामों की सूची लिखिए!

हिंदी अनुवाद: ए . अश्री
चित्र : लाबोनी रॉय
यह काम नेचर क्लास्सरूम्स द्वारा बनाया गया है CC BY-NC-ND 4.0